

अवशिष्ट देशी शब्द

[प्रस्तुत ग्रन्थ 'देशी शब्दकोश' के मूलभाग में हमने जैन आगमों, उनके विभिन्न व्याख्या-ग्रन्थों तथा आचार्य हेमचन्द्रकृत 'देशी नाममाला' के शब्दों का सप्रमाण और ससन्दर्भ संग्रहण किया है। लेकिन इनके अतिरिक्त उत्तरकालीन प्राकृत ग्रन्थों में प्रयुक्त देशी शब्द अवशिष्ट रह जाते हैं। उन अनेक ग्रन्थों के विद्वान् संपादकों ने अपने-अपने संपादित उन प्राकृत ग्रन्थों में देशी शब्दों का अलग से परिशिष्ट भी दिया है। उन शब्दों का हमने ज्यों का त्यों इस परिशिष्ट में संग्रहण किया है। हमने मूल देशी शब्द तथा उसके अर्थ/अर्थों का निर्देश मात्र किया है। 'पाइअसद्महण्णवो' में संगृहीत उत्तरवर्ती प्राकृत ग्रन्थों के देशी शब्दों का भी इसमें संग्रहण किया है। यह परिशिष्ट शोधकर्त्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।]

अ

अ—१ उपमा । २ सादृश्य ।

३ उत्प्रेक्षा—इन अर्थों का सूचक अव्यय

अइअड्ड—अतिविकट—अड्ड विकटार्थे देशी

अइणिरुत्त—अति निश्चित

अइणीय—आनीत, लाया हुआ

अइन्नदुवार—बिना दरवाजा बंद किए

अइभल्ल—अतिभद्र

अइरवण्ण—अतिरम्य

अइरिप्प—कथाबंध

अइरुंद—विपुल

अउस—उपासक, पुजारी

अं—स्मरणद्योतक अव्यय

अंकिइल्ल—नट, नर्तक

अंगुमिय—पूरित

अंगुलिय—ईस का टुकड़ा

अंघो—भयसूचक अव्यय

अंछविअंछी—आकर्षण-विकर्षण

अंतल्ली—१ पेट । २ लहर का मध्य

अंबुया—शृंखला

अंबभित्त—आम का टुकड़ा

अंबुपिसाय—राहु

अंभु—पत्थर

अकासिअ—पर्याप्त

अकोप्प—अपराध

अक्कसाल—बलात्कार

अक्का—माता

अक्खण—आसक्ति

अक्खणिय—व्याकुल

अखंपण—स्वच्छ, निर्मल

अखुट्ट—अखूट

अखुट्टिअ—अखूट, परिपूर्ण

अगंडिगोह—यौवन का उभार

अगिल—अविच्छिन्न स्वर से रुदन

अगल—अधिक

अगलय—अधिक

अगहणिया—सीमंतोन्नयन,

गर्भाधान के बाद किया जाने
वाला एक संस्कार और उसके
उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला
उत्सव

अगहर—घर का अगला भाग

अगहिय—१ निर्मित, विरचित ।

२ स्वीकृत

अग्गिआय—इन्द्रगोप, क्षुद्रकीट-
विशेष

अग्गीवय—घर का एक भाग

अग्गुच्छ—प्रमित, निश्चित

अग्गोयर—उपहार

अच्चियंत—अनिष्ट, अप्रीतिकर

अच्छवक—असमय, अनवसर

अच्छरा—चुटकी, चुटकी की आवाज

अच्छुक्क—अक्षि-कूप-तुला, आंख का
कोटर

अच्छुद्धसिरि—इच्छा से अधिक फल
की प्राप्ति, असंभावित लाभ

अच्छोडाविय—बंधित, बंधाया
हुआ

अच्छोडिय—आकृष्ट, खींचा हुआ

अजड—१ शीघ्र करने वाला ।

२ जार, उपपत्ति

अजणिक—सायंकालीन भोजन

अजम—१ सरल । २ अजवाइन

अज्जम—ऋजु

अज्जोलिया—बार-बार दोहन करने
योग्य गाय

अट्टण—आर्तज्ञ

अट्टल—अनपराध

अट्टवसट्ट—अत्यन्त खिन्न

अट्टिलिय—अस्थि

अड—उद्यान, बगीचा

अडपल्लण—वाहन-विशेष

अडयण—कुलटा, व्यभिचारिणी

अडवडण—खलना, रुक-रुककर
चलना

अडा—प्रलंबित केश

अडाल—बलात्

अडुवियडु—अस्त-व्यस्त

अडुय—शस्त्र-विशेष

अडुय—वक्र

अडुम्म—अतिरिक्त

अणउंछिय—अपृष्ट, अनपूछा

अणवख—१ लज्जा । २ क्रोध ।
३ अपवाद

अणखालय—अस्खलित

अणग्गपल्लट्ट—पुनरुक्त

अणड—अनृत, झूठा

अणरहू—नववधू

अणहवणय—तिरस्कृत, भत्सित

अणहुल्लिय—जिसका फल प्राप्त न
हुआ हो वह

अणालि—वक्रता

अणिभ—मुख, मुंह

अणियच्छिय—देखने में असमर्थ

अणिरिक्क—परतंत्र, पराधीन

अणुअज्झिय—प्रयात, प्रतिजागरित

अणुअत्थ—प्रचुर

अणुअअ—१ प्रयत, प्रयत्नशील ।

२ सावधान